

NDTV

## **Rights Body To Probe Alleged Gang-Rape, Death Of Farmer Activist In Haryana**

The National Human Rights Commission (NHRC) has decided to investigate the case of alleged rape and death of a woman activist from West Bengal, at Tikri border where the farmers protest is going on against Centre's three farm laws.

The alleged incident happened at the Delhi-Haryana border but the farmer activist woman died in a hospital in the Jhajjar district of Haryana due to COVID-19 infection.

Seeking an urgent intervention and direction of the NHRC, human rights activist and Supreme Court lawyer, Radhakanta Tripathy filed a petition before the NHRC, for "independent, impartial, and fair investigation and justice" in the matter, and "heavy compensation" for the woman's family members.

Taking cognisance of the issue, the NHRC in its order stated, "instant complaint, from well known human rights activist, is regarding the allegation that one woman activist hailing from West Bengal who came to participate in farmers' protest at Delhi-Haryana Tikri border was allegedly gang-raped at the protest site."

In respect of that crime, an FIR was registered by the woman's father against six accused persons. NHRC said the woman died at a Jhajjar hospital, on April 30, after showing COVID-like symptoms.

The NHRC said it has decided to probe the case after considering the averment made by Mr Tripathy.

Mr Tripathy had claimed that the incident happened due to the alleged inaction, negligence and failure on part of the police officials and health department of the Haryana government in providing adequate protection, healthcare and justice to the woman.

"Her father is said to be running from the pillar to post for justice," Mr Tripathy said.

The NHRC in its order also asked its own investigation wing to collect the facts of the matter, within two weeks, including the details of the compensation to the family of the victim, if any, by the state authorities under Victim Compensation Scheme.

<https://www.ndtv.com/india-news/rights-body-to-probe-alleged-gang-rape-death-of-farmer-activist-in-haryana-2440569>

ANI News

## **NHRC to investigate woman farmer activist's gangrape and death**

<https://www.aninews.in/news/national/general-news/nhrc-to-investigate-woman-farmer-activists-gangrape-and-death20210512224940>

The National Human Rights Commission (NHRC) has decided to investigate the case of alleged rape and death of a woman activist from West Bengal, at Tikri border where the farmers protest is going on against Centre's three farm laws. The alleged incident happened at the Delhi-Haryana border but the farmer activist woman died in a hospital in the Jhajjar district of Haryana due to COVID-19 infection. Seeking an urgent intervention and direction of the NHRC, human rights activist and Supreme Court lawyer, Radhakanta Tripathy filed a petition before the NHRC, for "independent, impartial, and fair investigation and justice" in the matter, and "heavy compensation" for the woman's family members. Taking cognisance of the issue, the NHRC in its order stated, "instant complaint, from well known human rights activist, is regarding the allegation that one woman activist hailing from West Bengal who came to participate in farmers' protest at Delhi-Haryana Tikri border was allegedly gang-raped at the protest site." NHRC said the woman died at a Jhajjar hospital, on April 30, after showing COVID-like symptoms. The NHRC said it has decided to probe the case after considering the averment made by Tripathy. Tripathy had claimed that the incident happened due to the alleged inaction, negligence and failure on part of the police officials and health department of the Haryana government in providing adequate protection, healthcare and justice to the woman. "Her father is said to be running from the pillar to post for justice," Tripathy said. The NHRC in its order also asked its own investigation wing to collect the facts of the matter, within two weeks, including the details of the ex-gratia to the next of the kith and kin of the victim, if any, by the state authorities under Victim Compensation Scheme. (ANI)

TV9 Bharatvarsh

## किसान आंदोलन में महिला से रेप और मौत का मामला, राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग करेगा जांच

<https://www.tv9hindi.com/india/nhrc-decided-to-investigate-rape-death-of-woman-activist-at-tikri-border-652826.html>

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (NHRC) ने किसान आंदोलन (Farmer Protest) में पश्चिम बंगाल की एक महिला कार्यकर्ता (Woman Activist) के कथित बलात्कार (Rape) और मौत (Death) के मामले की जांच करने का फैसला किया है. मानवाधिकार कार्यकर्ता और सुप्रीम कोर्ट के वकील राधाकांत त्रिपाठी ने एनएचआरसी से इस मामले में तत्काल हस्तक्षेप की मांग की. उन्होंने मामले में 'स्वतंत्र, निष्पक्ष-निष्पक्ष जांच और न्याय' के लिए और महिला के परिवार के सदस्यों के लिए मुआवजे की मांग करते हुए एक याचिका दायर की.

इस मुद्दे पर संज्ञान लेते हुए, एनएचआरसी ने अपने आदेश में कहा, "जाने-माने मानवाधिकार कार्यकर्ता की त्वरित शिकायत, इस आरोप के बारे में है कि पश्चिम बंगाल की रहने वाली एक महिला कार्यकर्ता दिल्ली-हरियाणा टिकरी सीमा पर किसानों के विरोध प्रदर्शन में भाग लेने आई थी. जिसके साथ कथित तौर पर विरोध स्थल पर सामूहिक बलात्कार किया गया था." इस अपराध के संबंध में, महिला के पिता की ओर से छह आरोपियों के खिलाफ एक प्राथमिकी दर्ज की गई थी. एनएचआरसी ने कहा कि झज्जर अस्पताल में 30 अप्रैल को कोविड जैसे लक्षण दिखने पर महिला की मौत हो गई.

'याचिका पर विचार करने के बाद मामले की जांच का फैसला'

एनएचआरसी ने कहा कि उसने त्रिपाठी की ओर से दाखिल याचिका पर विचार करने के बाद मामले की जांच करने का फैसला किया है. त्रिपाठी ने दावा किया था कि यह घटना हरियाणा सरकार के पुलिस अधिकारियों और स्वास्थ्य विभाग की ओर से महिला को पर्याप्त सुरक्षा, स्वास्थ्य देखभाल और न्याय प्रदान करने में कथित निष्क्रियता, लापरवाही और विफलता के कारण हुई.

फैक्ट्स इकट्ठा करने के लिए 2 हफ्ते का समय

एनएचआरसी ने अपने आदेश में मामले के तथ्यों को एकत्र करने के लिए अपनी जांच शाखा को दो सप्ताह का समय दिया. साथ ही राज्य अधिकारियों की ओर से पीड़ित के परिजनों के बारे में जानकारी इकट्ठी करने के लिए कहा. वहीं, भाजपा के 'किसान मोर्चा' ने इस मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और प्रदर्शनकारी किसान संगठनों के नेताओं की कथित चुप्पी पर

सवाल उठाया. मोर्चा के अध्यक्ष और लोकसभा सांसद राजकुमार चाहर ने बयान जारी कर मांग की कि प्रदर्शनकारी किसान संगठनों को इस स्थल को खाली कर देना चाहिए क्योंकि कथित अपराध के बाद इसकी शुचित का उल्लंघन हुआ है.

Hindustan

## जांच किट की कालाबाजारी पर प्रधान सचिव व डीएम से रिपोर्ट तलब

<https://www.livehindustan.com/bihar/muzaffarpur/story-reported-from-principal-secretary-and-dm-on-black-marketing-of-test-kit-4026907.html>

सदर अस्पताल से कोरोना जांच किट की कालाबाजारी का मामला राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग तक पहुंच गया है। इसपर संज्ञान लेते हुए आयोग ने डीएम व स्वास्थ्य विभाग के प्रधान सचिव को कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। इसके लिए दोनों अधिकारियों को आठ सप्ताह का समय दिया गया है।

मामले को लेकर सिविल कोर्ट के अधिवक्ता एसके झा ने आयोग से शिकायत की थी। आयोग ने 11 मई को दोनों अधिकारियों से रिपोर्ट तलब की है। अधिवक्ता द्वारा भेजी गई शिकायत की प्रति भी दोनों अधिकारियों को दी गई है। मामला आयोग तक पहुंचने से कालाबाजारी में शामिल धंधेबाजों में हड़कंप मच गया है।

दैनिक जागरण

## मानवाधिकार आयोग का एसपी से जवाब तलब

<https://www.jagran.com/uttar-pradesh/bhadohi-human-rights-commission-summoned-reply-from-sp-21638064.html>

थाना क्षेत्र के चकनिरंजन गांव के बहुत चर्चित मामले में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने एसपी को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। मानवाधिकार संगठन के मनोज सिंह ने राष्ट्रीय मानवाधिकारी आयोग में शिकायती पत्र भेजकर आरोप लगाया था कि गांव में 12 वर्ष पहले निर्दोष व्यक्तियों के खिलाफ पुलिस ने एफआइआर दर्ज कर झूठा मुकदमा कायम कर लिया था। गांव निवासी दूधनाथ तिवारी व काशीनाथ तिवारी पर हत्या का आरोप लगाकर पड़ोसी ने झूठा मुकदमा दर्ज कराया गया था। कुछ दिन पहले कथित मृतक को आरोपित परिवार की महिलाओं ने देख लिया तो डायल 112 को सूचना दिया। जानकारी पर कोतवाली पुलिस पहुंचकर उसे हिरासत में लेकर कड़ाई से पूछताछ की। उसने बताया कि छुपकर घर पर बराबर आता था। इस दौरान उसकी पत्नी को दो बच्चे भी पैदा हुए हैं। निर्दोष आरोपितों को फंसाए जाने पर कार्रवाई की मांग की है।